(पार्ग). - 2) n. Boot, Schiff H. an. 4, 14. Men. k. 191.

तर्तव्य (von 1. तर्) adj. transeundus, zu passiren: क्निर्का MBH. 7, 4706. तर्द् (त्द्), तृर्णैति, तृन्ते Dairup. 29, 9. तृन्धि; ततर्द्; तर्द्ध्यिति und तत्स्यिति P. 7,2,57. Vop. 14,1. 11,2; aor. म्रतदित्, तैर्दम्; तत्रदानै; तृषाः spalten, öffnen; freimachen: वर्झेण खान्यत्णान्द्रीनाम् RV. 2,15,3. 4, 19,8. पुच्यूची म्रतृण्व गर्वाम् 1,19. रिरिचयुः तार्थितत्र्राना 28,5. तत्रु्रा-नाः सिन्धवः तेरिमा रजः प्र सेमुः 5,53,7. स्तस्य मोकी वधिरा तेतर्द् कर्णी 4,23,8. spalten, durchbohren, zerhauen: ततर्द तरसा विद्वर्वाणीः - सै-न्यानि देवराजस्य स्राप. ७६२१. ८०७३. ८१०५. ८८६५. रथानश्चाश्च रिपास्ततर्द शाखिना Вилт. 14,108.33. म्रतर्री चैव प्रूलेन जुम्भकर्षाः प्रवंगमान् 15,36. 44. तत्स्य ति बालवृहान् 16,20, v. l. भूति तृणिबि यत्ताणाम् spalten so v. a. zu Grunde richten 6,38. Nach dem Daatup. verletzen, tödten und geringachten (v. l. essen). तर्द, तर्दित verletzen, tödten Duarup. 3,21. — Vgl. तुद्द्, तृद्द्ल, त्रद्. — desid. तितर्दिषति, तितृत्सति P. 7,2,57.

— म्रति 1) spalten, trennen: यन्में हिद्रं चतुषा कृदेयस्य मनेसा वार्ति-त्राम् VS. 36, 2. — 2) durchdringen: म्रति धन्वान्यत्यपस्तेतर्द AV. 7, 41, 1. 19, 32, 4.

- म्रनु eröffnen, freimachen: मृतस्य धारा म्रनु तृन्धि पूर्वीः RV. 5,12,2. म्रन्वपा खान्यंतृत्तम् 7,82,3. 1,32,1.
- म्रानि spalten, öffnen; durch Oeffnen frei machen, sich eröffnen, sich verschaffen: इष्टकाम् KATH. 22,9. म्रुवतम्भि यमाजुसातृपात् RV. 2, 24,4. उत्सेन् 9,110,5. वीकी सतीर्भि धीरा स्रतृन्द्न् 3,31,5. 6,17,1.2. म्रिम गा ईन्द्र तृन्धि 3. 8,92,5. Pankav. Br. 6,6. म्रह्माग्यम् Çat. Br. 2,3,2, 15.14. माध्यंदिनं सवनम् Air. Ba. 6, 11. - desid.: म्रिभ य ऊर्व गार्मत् तिर्तृत्सान् ३.४. १०,७४,४.
- स्रव 1) zerspalten, trennen Kāṇa. 9, 11. स्रनवत्माः प्राणः Çat. Ba. 11,1,6,33. - 2) म्रवतपाति दुन्द्वभीन् nach dem Sch. so v. a. verstummen lassen (उपरमयति) Çanu. Ça. 17,17,5.6.
- आ spalten, durchbohren; öffnen; trennen: पुरा तत्रुश्य आत्र्दः (P. 3, 4, 17) RV. 8, 1, 12. कार्णी Nis. 2, 4. 10, 41. शतातृषा क्म्भी Çat. Br. 12, 7, 3,13. 9,1,3. KAUG. 83. TS. 5,2,3,2. तस्मात्तदातृसात् (तद् sc. रुधिरम्. म्रात्मात् verwundet sc. प्रवात्। प्रैति रसा वृत्ताद्वाक्तात् Ban. An. Up. 3,9,28 (ÇAT. Ba.: ऋातुज्ञात्; hiernach ist der Artikel श्रात्म zu verbessern). med. sich lostrennen: प्राणा क्येतत्स्वयमात्मन स्रातृते ÇAT. Ba. 7,4,2,2. — Vgl. म्रातर्र (TS. Comm. 427,5.8), म्रातर्रन, स्वयमातृषा.
- उद् ausspalten, durchschneiden: तं पश्चदशस्तोमा मध्यत उदत्पात् ТВк. 2,2,3,1. Катн. 9,11. 13,3. — desid. उत्तित्तसन् Катн. 13,3.
- नि durchstechen, spalten: डुर्कारी जिन्हां नि तृपाद्मि वर्धांसि च AV. 19, 32, 4. 5, 29, 4.
- परि durchstechen, anspiessen: परि तृन्धि पण्तीनामार्था रहर्दपा क्वे RV. 6,53,5. यच्छतस्य परितृन्द्ति ÇAT. BR. 3,8,5,8.
- प्र anspiessen, anstecken: पार्श्वत एवैनत्काष्ठे प्रत्य ग्रपपेत् ÇAT. Ba. 11,7,4,3. 1,6,32. Kâtj. Ça. 6,7,14. — Vgl. प्रतृद्
- 🗕 वि einbohren, öffnen; durchbrechen; aushöhlen: का: सप्त खानि वि तंतर्द शीर्षणि Av. 10,2,6 (vgl. TS. 5,1,8,1). पराश्चि खानि व्यत्णातस्व-यंभु: Катвор. 4, 1. यदा वष्टा व्यत्पात् गृरुं कृता मर्त्य देवाः पुरुषमाविश-न् AV. 11,8,13. ह्रकाः शतवितृषाः ÇAT. Ba. 5,4,4,13. 5,4,27. म्नामन्दी वितृषा 4,4,1. 12,9,4,3. Kàtj. Ça. 19,3,20. Kàth. 22,7.8. — caus. (फलकम्)

चतुर्धात्तेषु वितर्दयति Çîñku. Ça. 17,1,14.

— सम् 1) durch eine Oeffnung verbinden: (उपरवान्) श्रहणाया संतु-न्दत्ति, तस्मादिमे प्राणाः परः संतुषाः Çar. Ba. 3,5,4,14; vgl. Kara. Ça. 8,5,11.25. Kare. 25,9. verbinden, aneinander besestigen: त्रीणि प-लाशपलाशानि संतृष्य (°तृद्य Hdschr.) Çîñkn. Ça. 4,18,5. पालकानि संतृष्युः (्तृद्यु: Hdschr.) 17,1,9. यद्या शङ्कुना सर्वाणि पर्णानि संतृषान्येवमें।कार्से-पा सर्वा वाकसंतुष्ता Kaand. Up. 2,23,4. — 2) aushöhlen: ग्रात्रमसर्तः संत्राम् ÇAT. BB. 11,2,6,4. अयं प्रूष आतं संत्राः 3,5,8,7.

तर्दै m. ein best. Vogel AV. 6,50,1.2. तर्दापति (तर्द + पति) 8. -

Vgl. turdus.

ਰਵੇਂ (von ਰਵੇਂ) Unadis. 1,91. ein hölzerner Löffel AK. 2,9,34. H.1021. तुर्बान् (wie eben) n. Loch, Oeffnung, Spalte: युगस्य AV. 14,1,40. Клис: 50.76. (क्षाजिने) तर्बास्मृते Слт. Вв. 3,2,4,2. Катл. Св. 6,1,80. 7, 3, 20. नवतर्क (Thema), शत े 15,5,27.

तर्प् (तृप्, तृम्प्), तृम्पति (in der klass. Sprache nicht zu belegen) Vop. 13,4. तृपति (gar nicht zu belegen) Duatur. 28,24. Vop. 13,4. तपति МВн. 14, 1040. तृट्पोंति ved., तृप्राति Daâtur. 27,24. gaņa सुभादि zu Р. 8,4,89. Buag. P. 3,5,10.11. तੁੱਧਿੰਗ (ep. auch med.) Duâtup. 26,86; ਨ-तर्पः ved. तातुप्सु, तातुपार्गः ब्रतुपत् und ब्रत्राप्सीत् P. 3,1,44, Vartt. म्रतपीत् und म्रताप्सीत् Vop. 11, 4. 8, 76. 77; तर्पिष्यति (vgl. jedoch Kår. 4.8. aus Sidde, K. zu P. 7, 2, 10), तट्स्यंति, त्रटस्यति; अत्रटस्यत् Ант. Up. 3, 3. fgg.; तर्पिता, तर्ता und त्रप्ता P. 6, 1, 59, Sch. 7, 2, 45, Sch.; तृप्त. 1) sich sättigen, satt werden; befriedigt werden; mit gen. instr. oder loc. der Sache: (पत्र) सामस्य तम्पति ए.४.४,४, 12. तम्या व्यम्ब्ही मर्दम् 45,22. मन्ये भेजाना मृमृतस्य तर्हि हिर्एएयवर्णा म्रतृपं युदा वेः Av. 3,13,6. हुए. 2,16,6. 36,4. 3,12,3. 4,42,2. VS. 7, 15. 8,37. तादेवेदं तात्पाणा चेरामि ŖV. 10,95,16. स्रतस्य ÇAT. BB. 10,3,5,18. प्राशीन चात्पत् BBATT. 15,29. नाताप्सिद्भित्तपन् ४८. श्रद्धा तप्टर्मित मासादाः १६,२१. श्रतप्यतं च वेतालम् Катвая. 26,237. मूलफलेन वा । दत्तेन माप्तं तृप्यत्ति विधिवित्पतिरान्णा-म् м. 3,267.270. यथा देवास्तथा विप्रा दित्तणानमकाधनैः तत्पुः мва. 2, 1305. तस्मिन्टि तत्पर्देवास्तते पत्ते ebend. नाग्रिस्त् व्यति काष्ठाना नाप-गाना महोद्धः । नात्तकः सर्वभूताना न पुंसा वामलाचनाः 13, 2226. द्द-ति प्रतिगृह्णति तर्पत्यव बुद्धति १४,१०४०. नात्मना तृप्येति नान्यस्मै द्दा-ति TS. 2,5,2,3. तृष्यिति प्रजया पुश्निः 11,3. Kaind. Up. 5,19,2. बत्य-न्त्रात्मणा धनै: Çat. Ba. 13, 5, 4, 18. 1, 7, 3, 28. यस्य दर्शनाद्द्र तृप्यति B. 1443. नैव तृत्यति हि रुश: Bais. P. 1,11,26. क्रायस्व न हि तृत्यामि мвн. 1,2205. साभस्य बधमाचद्व न कि तृप्यामि कथ्यतः 3,686. 13,2008. नातृष्यन्कथयत्तः पुनः पुनः sxv. 7,2. कस्तृष्रुयात्तीर्थपदे अभिधानात् B=16. Р. 3,5,11.10. गुडाकेशं प्रेतमापाः — न चातृप्यत мвн. 3,1781. नातृप्य-दर्शने तेषाम् 4,2320. पिबन्निव च नेत्राभ्यां नात्प्यत 1,8892. fg. का नाम तेप्यद्रसिवत्कयायाम् Bula. P. 1,18,14. किन्नड नतर्तानां कुन्नराणां न तृप्यसे R. Goas. 2,109,27. के। न तृप्यति वित्तेन Hit. II,164. सर्वतः प्रति-गृह्णीयात्र त् तृप्येत्स्वयं ततः er geniesse nicht selbst davon M. 4,251. तृप्त satt, befriedigt AK. 3,2,52. H. 426. M. 3,251. तुप्तस्तित्पिशितेन BRARTS. 2, 82. फलानां तृप्तः P.2,2,11, Sch. र्सेन तृप्ताः AV. 10,8,44. नित्यं तृप्ता गर्ने यस्य देवा यज्ञेषु MB#. 3, 2247. यदा वर्षस्य तृप्तः स्यात् Åçv. Ça. 2,9. Çaт. Bs. 1, 4, 4, 2. 4, 2, 1, 32. 14, 9, 8, 2. संताषामृत ॰ Hrr. 1, 136. स्वागतेनामय-स्तृप्ता स्रासनेन शतकातुः। पितरः पार्शीचेन स्रवाखेन प्रजापितः Рक्षंकरः